

AUGUST 2017				SEPTEMBER 2017						
Sun	6	13	20	27	Sun	3	10	17	24	
Mon	7	14	21	28	Mon	4	11	18	25	
Tue	1	8	15	22	29	Tue	5	12	19	26
Wed	2	9	16	23	30	Wed	6	13	20	27
Thu	3	10	17	24	31	Thu	7	14	21	28
Fri	4	11	18	25	Fri	1	8	15	22	29
Sat	5	12	19	26	Sat	2	9	16	23	30

①
25

August

17 237-128 34TH WEEK

FRIDAY

B.A. Part-I

08:00

Sub. — Pol. Science

Paper — I (Political Theory)

09:00

10:00

Topic — "राजनीति विज्ञान का क्षेत्र"

(Scope of Pol. Science)

(परम्परागत इलिकेण)

DR. Phamanjay Jha.
Asst. Prof. In-charge Faculty/
part time.

Dept. of Pol. Science

L.S. College Patna

M - 8210688019.

11:00

12:00

13:00

⇒ परम्परागत इलिकेण के अन्तर्गत, राजनीति विज्ञान राज्य का उसके विगत, वर्तमान तथा भावी लक्ष्यों में अध्ययन करता है। इसके अर्थों में, इस विषय की सीमाओं के अन्तर्गत हम राज्य का अध्ययन जैसा कहेंगे, जैसा वह है, एवं जैसा वह भविष्य में हो सकता है या होना चाहिए के लिये करते हैं।

14:00

15:00

16:00

⇒ पूर्वप्रमाण हम राज्य के अध्ययन का वह भाग लेते हैं जैसा वह पूर्वकाल में रहा है। यहाँ राजनीति वैज्ञानिक युग के मूल सिद्धांत से सम्बन्ध रखने वाले इतिहासकाल की भांति कार्य करता है। वह संगठित राजनीतिक जीवन के आरंभ का सर्वेक्षण करता है, राजनीति के लक्ष्यों के लक्ष्य से जड़ित होने के विकास पर विचार करता है तथा साथ ही संवैधानिक संस्थाओं के विकास का अध्ययन करता है।

17:00

18:00

19:00

20:00

⇒ परम्परागत इलिकेण के अन्तर्गत राजनीतिक चिन्तन की विभिन्न-विभिन्न धाराओं का अध्ययन तथा साथ ही समाज में समाज तथा प्रभाव (competency and influence) के लिए संघर्षरत युवा व संस्थाओं की शक्ति का समझना भी शामिल है। यह आवश्यक नहीं कि इस लक्ष्य में राजनीति विज्ञान का अध्ययन ऐतिहासिक दृष्टि से प्राथमिक हो, यह भी संभव है कि राज्य की उत्पत्ति के लिये अस्पष्ट होने के कारण वह अज्ञान पर आधारित हो।

21:00

Notes

AUGUST 2017					SEPTEMBER 2017				
Sun	6	13	20	27	Sun	3	10	17	24
Mon	7	14	21	28	Mon	4	11	18	25
Tue	1	8	15	22	Tue	5	12	19	26
Wed	2	9	16	23	Wed	6	13	20	27
Thu	3	10	17	24	Thu	7	14	21	28
Fri	4	11	18	25	Fri	1	8	15	22
Sat	5	12	19	26	Sat	2	9	16	23

August

23

17 235-130 35TH WEEK

WEDNESDAY

08:00 → सर फ्रेडरिक पोलक ने परम्परागत राजनीति विज्ञान या राजनीति (पोलिटिक्स) का क्षेत्र नियमित करते हुए उसे दो भागों में विभाजित किया है और दोनों के अन्तर्गत अलग-2 विषयों को सम्मिलित/समावेशित करने का काम किया है।

11:00 — 1) सैद्धान्तिक राजनीति (Theoretical Politics)

08:00	सर फ्रेडरिक पोलक ने सैद्धान्तिक राजनीति को दो भागों में विभाजित किया है।	— (a) राज्य का सिद्धान्त (Theory of the state)
13:00		— (b) शासन का सिद्धान्त (Theory of the Govt.)
14:00		— (c) विधान का सिद्धान्त (Theory of legis- lation)
15:00		— (d) कृत्रिम व्यक्ति के रूप में राज्य का सिद्धान्त (Theory of the state as an artificial person)
16:00		
17:00		

18:00 — 2) व्यावहारिक राजनीति या प्रशासनिक राजनीति

19:00	— (a) राज्य-सर्वकार के वास्तविक स्वरूप (The state-actual forms of Govt.)
20:00	— (b) सरकार - सरकार की कार्यप्रणाली, शासन प्रणाली (Government - The working of Government, administration etc.)
21:00	— (c) विधि और विधि निर्माण - प्रणाली, अन्वेषण (Laws and Legislation - procedure, courts etc.)
Notes	— (d) व्यक्ति के रूप में राज्य - इतिहास, अर्थ, संघर्ष और अन्तर्देशीय सम्बन्ध।

JUNE 2017					JULY 2017				
Sun	4	11	18	25	Sun	30	7	14	21
Mon	5	12	19	26	Mon	31	8	15	22
Tue	6	13	20	27	Tue		9	16	23
Wed	7	14	21	28	Wed		10	17	24
Thu	1	8	15	22	Thu		11	18	25
Fri	2	9	16	23	Fri		12	19	26
Sat	3	10	17	24	Sat		13	20	27
					Sat	1	8	15	22

(The state personified diplomacy, Peace, war and International dealings)

जब हम राजनीति विज्ञान के वैचारिक पक्ष (Theoretical aspect) की बात करते हैं तो इसके अन्तर्गत राज्य की उत्पत्ति (Generation of the state), राज्य का स्वरूप (Nature of the state), राज्य का उद्देश्य (Aim of the state), राज्य की उपयोगिता (Utility of the state) और वर्ग-युद्ध आदि से सम्बन्धित प्रश्नों का चर्चा हम करते हैं। इसे ही राज्य सिद्धान्त / राजनीतिक सिद्धान्त या राजनीतिक दर्शन कहते हैं।

इसी प्रकार जब हम राजनीति विज्ञान के व्यावहारिक अथवा प्रयोगात्मक पक्ष की बात करते हैं तो इसके अन्तर्गत राजनीतिक संस्थाओं के संगठन तथा उनके कार्य और विभिन्न प्रकारों की चर्चा हम करते हैं जिसे तुलनात्मक राजनीति या वैधानिक शास्त्र की संज्ञा दी जाती है।

परम्परागत राजनीति विज्ञान के क्षेत्र को निर्धारित करने हुए विभिन्न विद्वानों ने अपने-2-2 ढंग से राजनीति विज्ञान को परिभाषित करने का प्रयत्न किया है।

प्रसिद्ध फ्रांसीसी लेखक पॉल जेनेट का कथन है कि - "राजनीति विज्ञान समाज विज्ञान का वह अंग है, जो राज्य के मूल भाषा और मानव के सिद्धान्तों की व्याख्या करता है।"

आर. जी. जेरेल ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'पॉलिटिकल लाइन्स' में राजनीति विज्ञान को 'राज्य के विज्ञान' के रूप में परिभाषित किया है। उनका कथन है कि "राजनीति विज्ञान में यह अवलोकन है कि पिछले समय में अज्ञान युक्तकाल में राज्य का क्या-2 रूप रहा है, इस समय इसके क्या स्वरूप है, और इसके आगे स्वरूप क्या होना चाहिए।"